

हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 3 मई 2026

खबर संक्षेप

फसल अवशेष जलाने पर हुई 2 एफआईआर

बहादुरगढ़। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. सुनील कौशिक की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें गेहूं फसल के अवशेष जलाने से रोकने की समीक्षा की गई। कोई किसान फसल अवशेष जलाता हुआ पाया जाता है तो उस पर 5 हजार से 30 हजार रुपये तक का जुर्माना व एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। बैठक में एसडीओ डॉ. सुनील कौशिक ने उपमंडल में कार्यरत फ्रीड स्टफ को अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। अभी तक इस मामले में गांव भापडौदा में 3, बादसा में 2, बादली में 1 व मांडोठी में 8 रेड एंटी करने की सिफारिश की गई है। साथ ही 2 एफआईआर भी करवाई गई हैं। बैठक में डॉ. कविता, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. राकेश राणा, डॉ. प्रदीप मलिक, डॉ. विशाल अटवाल, डॉ. सूरज मिश्रा, सुंशीराम, विकास, जितेंद्र, सुधीर, जैसिका, प्रेम, पंकज, रोहित, अजीत, कंवलजीत, दीपक, संदीप, विरेन व राकेश आदि मौजूद रहे।

अवैध हथियार सहित दो आरोपी युवक काबू

बहादुरगढ़। पुलिस की एंटी व्हीकल थैपट टीम ने अवैध हथियार सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक टीम ने मांडोठी से गुलशन को पकड़ा है। आरोपी के पास एक देशी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुआ। वहीं, एवीटी की दूसरी टीम ने नयागांव से एक देशी पिस्तौल व कारतूस के साथ सचिन को काबू किया है।

बिहारी कॉलोनी में जहर से महिला की मौत

बहादुरगढ़। निजामपुर रोड स्थित बिहारी कॉलोनी में संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगलने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान अनीता के रूप में हुई है। अनीता की शुक्रवार को जहरीला पदार्थ निगलने से हालत बिगड़ गई। परिचित उसे निजी अस्पताल में लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर लाइनपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

डीआरडीओ में कार्र्वरत युवक ने फंदा लगाया

बहादुरगढ़। शास्त्री नगर में एक युवक का शव फंदे पर लटका हुआ मिला है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय प्रवीण निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई है। मृतक प्रवीण एक बच्ची का पिता था। जांच अधिकारी मोहित ने बताया कि मृतक डीआरडीओ दिल्ली में कार्यरत था।

पहल एम्स और अखंड योग संस्थान के सहयोग से चलेगा प्रशिक्षण

ओलंपिक की तैयारी के लिए छारा में कुश्ती अनुसंधान व नवाचार केंद्र का शिलान्यास

■ लाला दीवान चंद आधुनिक कुश्ती एवं योग केंद्र में बर्ड अकादमी ऑफ ह्यूमन परफॉर्मंस एनालिसिस एंड मैनेजमेंट फॉर रिसर्लिंग का शिलान्यास

■ खेल विज्ञान, शारीरिक क्षमता विश्लेषण, योग, पोषण व आधुनिक युग की प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्य होगा

■ ओलंपिक 2028, 2032 और 2036 को लक्ष्य बनाकर तीन मिशन समूह गठित होंगे

हरिभूमि न्यूज़▶▶बहादुरगढ़

गांव छारा स्थित लाला दीवान चंद आधुनिक कुश्ती एवं योग केंद्र में बर्ड अकादमी ऑफ ह्यूमन परफॉर्मंस एनालिसिस एंड मैनेजमेंट फॉर रिसर्लिंग का शिलान्यास हुआ।

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लागू रहेगी, फोटोस्टेट की दुकानों को बंद रखने के दिए आदेश

8 केंद्रों पर 2300 परीक्षार्थी देंगे नीट परीक्षा, एसडीएम ओवरऑल इंचार्ज बनाए

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का दावा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

नीट-यूजी के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। डीसी स्वनिल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिला मुख्यालय के अलावा आसपास के विद्यालयों में कुल आठ परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिनपर 23 सौ परीक्षार्थी भाग लेंगे। उन्होंने



झज्जर। परीक्षा के लिए तैयार शहीद रमेश चंद्र राजकीय मॉडल विद्यालय।

बताया कि यह परीक्षा रविवार को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक तथा दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 2 बजे से 6 बजे तक आठ परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को सुबह 11

इन परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा

स्थानीय शहीद रमेश चंद्र राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पीएम शरी राजकीय कव्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, जाहवर नवोदय विद्यालय कलौड़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ीखुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डावला, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिलानी, राजकीय कव्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिलानी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

जिला प्रशासन ने एनटीए के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक सेंटर पर इयूटी मजिस्ट्रेट व अन्य अधिकारियों की तैनाती की है। एसडीएम झज्जर को सभी परीक्षा केंद्रों का ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि शांति एवं अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में भारतीय

पुलिस कमिश्नर ने नाकेबंदी के दिए आदेश

झज्जर। रविवार को आयोजित होने वाली नीट-यूजी परीक्षा को लेकर जिला पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि जिले के सभी आठ परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कमियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण व निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। इसके तहत किसी भी प्रकार की अनावश्यक भीड़ या सड़बिध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और परीक्षा केंद्रों के आसपास नाकेबंदी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के अंदर केवल इयूटी पर तैनात स्टाफ और प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को गहन तलाशी के लिए एचएचएमडी और फ्रिस्किंग टीमों को तैनात किया गया है। सभी पुलिस कमियों को वॉंकी-टॉकों से लैस किया गया है ताकि किसी भी सूचना को तुरंत आदान-प्रदान किया जा सके। इसके अलावा पीसीआर और राइडर टीमों को परीक्षा केंद्रों के आसपास लगातार गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं।



ज्वेलरी शोरूम से सोने-चांदी का सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज़▶▶बहादुरगढ़

कबाड़ी मार्केट में स्थित एक ज्वेलरी शोरूम में चोरी का मामला सामने आया है। शोरूम में दस साल तक काम करने वाले सेल्समैन पर ही चोरी का आरोप लगा है। महीनेभर बाद तक वह इयूटी पर नहीं आया तो

सोसीटीवी तथा स्टॉक की जांच में चोरी पकड़ी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दो शिकायत में सेक्टर-6 के निवासी जयभगवान सोनी का कहना है कि उनका यहां झज्जर मोड़ के पास कबाड़ी मार्केट में ज्वेलरी शोरूम है। शोरूम पर सुलेमान नगर

किराड़ी दिल्ली का गोपाल शर्मा दस साल से बतौर सेल्समैन काम करता था। गत 29 मार्च को वह दुकान से अपने घर चला गया लेकिन वापस नहीं आया। हमने कई बार उससे बात कर काम पर आने के लिए कहा, लेकिन वह हर बार बहाना बनाकर टालता रहा। उसकी बहानेबाजी पर शक हुआ तो हमने स्टॉक व सोसीटीवी चेक किए। जांच के दौरान वह फुटेज में जेवरतार चोरी करता नजर आया। जांच के दौरान पांच-छह तोला सोने तथा करीब 20 तोले चांदी का सामान गायब मिला है। हमें शक है कि सामान गोपाल ने चोरी किया है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उधर, सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही आरोपी को सत्यता स्पष्ट हो सकेगी।

छह महीने में ही टूट रही सड़कें

मनीष धनखड़ ने बताया कि 4 सालों से विकास नहीं हो रहा, केवल ठेकेदारों की प्लेट हो रही है। काम के बारे में पार्क को पता ही नहीं चलता। जबकि जनता सवाल पार्क से पूछती है। सड़कें बनते ही 6 महीने में टूट रही हैं। वहीं, पार्क संदीप अहलावत ने कहा कि लाइनपार गै सड़ें 3 एकड़ पंचायती गली नजर बन गई है।

पैसे देकर खड़ी होती हैं रेहड़ियां

मनोजीत पार्क गीत सिंह प्रणानी ने कहा कि डेढ़ साल से सेक्टर-7 में चंदेश्वर आनंद का टूटा बोर्ड तक रिपेयर नहीं हुआ। सेक्टर की सड़कों पर रेहड़ियां खड़ी हैं। वे कहते हैं कि पैसे देते हैं, उसीलिए कोई नहीं हटा रहा। यह नगर परिषद का सबसे खराब कार्यकाल सिद्ध हुआ।

ग्रांट का नहीं हुआ प्रयोग

पार्क जितेंद्र राठी ने कहा कि विकास के नाम पर शहर से छल हो रहा है। प्रपूषा की गार से बीमारियां बढ़ रही हैं। दो साल पहले आई गांट का अब तक प्रयोग नहीं होना चिंताजनक है। शहर को पता लगाना चाहिए कि क्या विकास हो रहा है। वहीं, पार्क नीना राठी ने कहा कि उनके वार्ड की 3 गलियों में सीवर तक नहीं है।

कागजों में आंकड़े, असल में काम नहीं

पार्क सुनेना मलिक ने बताया कि उन्हें बस बैठक से पहले कागज थमा देते हैं, जबकि आंकड़ों में गिनतता है। धरताल पर कोई काम नहीं हो रहे। पार्क रमन यादव ने कहा कि 44 करोड़ ग्राफ्ट पर खर्च कर दिए, लेकिन शहर में साफ नहीं। कॉमन काम के नाम पर घोटाला हो रहा है।

एक ही दिन लगता है कि पार्क है

संदीप दहिया के अनुसार एक ही दिन बैठक में मजबूत होता है कि हवा पार्क है। नाप अधिकारियों से ना अतिक्रमण रोकना, ना कूड़ा उठाना। बीते 4 साल से कोई सुधार नहीं हुआ। दारों के अल्टर काम कुछ हो नहीं रहे। पार्क विशाल गर्ग ने बताया कि उनके वार्ड में 50 लाख का काम लगा, लेकिन बीच में काम रोक दिया।

उपप्रधान पालेराम शर्मा से नाराजगी व विकास कार्यों में अनदेखी के चलते था विरोध



बहादुरगढ़। नगर परिषद की बजट बैठक में विभिन्न मुद्दों पर नाराजगी जताते पार्क।

फोटो : हरिभूमि

विधायक का आश्वासन- पालेराम का नहीं देंगे साथ हर शनिवार करेंगे बैठक



नप बैठक में पार्क को समझाते विधायक राजेश जून।

रेलवे से मंजूरी ले काम करवाओ

पार्क अशोक शर्मा ने कहा रेलवे से पार्कों की अनुमति दिलावाई जाए। सीवर की समस्या दूर करवाई जाए। एजेंसी काम नहीं करती, प्लेट कर दी जाती है। पार्क राजकुमारी थाकरे ने कहा कि उनके वार्ड में अन्य विकसित वार्डों के मुकाबले अधिक काम की जरूरत है। वहीं, पार्क बिजेंद्र दलाल ने बताया कि उनके वार्ड में 1 करोड़ 41 लाख के काम दिखा रहे हैं, जबकि 4 साल से महज 15 लाख के काम हुए हैं। विकास कार्यों की सूची झूठ का पुलिंदा है। अब आश्वासनों से काम नहीं चलेगा।

कच्चाचारियों से पार्कों की बढवा रहे दुश्मनी

पार्क राजेश मकड़ौली ने बताया कि उनके वार्ड में स्कूल मंजूर हुआ है, लेकिन वहां तारबंदी तक नहीं की जाती। अधिकारी खुद कच्चाधारी को ही बता देते हैं कि पार्क में शिकायत की है। इस तरह हमारी दुश्मनी हो जाती है। वहीं, बलराम मिट्ट ने बताया कि सेक्टर-2 की गीत बेल्ट का बुरा हाल है। मुश्किल से कब्जे हटें थे, लेकिन दोबारा कब्जा हो रहा है। सीवर लाइन दब गई, लेकिन गली नहीं बन रही। पार्क सत्यप्रकाश छिकरा ने कहा कि पार्कों की मेटेनेंस के काम पर चेयरपर्सन ने साइन तक नहीं किए गए। पार्क विनोद जांगड़ा ने यूजर चार्ज का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पैसे लेने के बावजूद घर-घर से कूड़ा नहीं उठता। उनके वार्ड में 49 लाख का टेंडर लगा और 57 लाख पेंमेंट हुई।

लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने व उन्हें सजा दिलाने की मांग की। बैठक में पार्क दर्जनीश मोनू, अन्नु रानी, राजेश मकड़ौली, पालेराम शर्मा, ज्योति शर्मा, ज्योति राठी, अश्वनी शर्मा, ज्योति रोहिल्ला व कुलदीप राठी आदि मौजूद रहे। जबकि पार्क प्रीति राठी, सरीता, सचिन दलाल, राजबाला व अमित कौशिक गैर हाजिर रहे।

पिकअप गाड़ी ने ऑटो को मारी टक्कर, एक की मौत, चार घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव दादनपुर के नजदीक ऑटो व पिकअप गाड़ी की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो महिलाओं सहित चार अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान जिले के गांव किलडौद निवासी सुखपाल पुत्र सुंशीराम के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार सुखपाल अपनी पत्नी संतोष व गांव के ही रहने वाले अनिल पुत्र ताराचंद व सुजाता पत्नी पवन के साथ ऑटो में सवार होकर किसी काम से झज्जर आ रहे थे। जब उनका ऑटो दादनपुर गांव के नजदीक पहुंचा तो एक पिकअप गाड़ी ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस दौरान घटनास्थल पर खड़ा खखाना निवासी होराम पुत्र भीखनलाल भी दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में घायल सभी पांचों लोगों को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने सुखपाल को मृत घोषित कर दिया। बाकि सभी घायल अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव तो परिजनों ने हत्या बता किया हंगामा

■ निजी स्कूल में बस चालक ओमबीर के परिजनों ने हत्या का केस दर्ज न होने पर शव लेने से किया इनकार, 2018 में छोटे भाई की हो चुकी है हत्या

हरिभूमि न्यूज़▶▶बहादुरगढ़

आसौदा के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजन शव लेने से इनकार कर तुरंत आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। काफी समझाने के बाद शांत हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी बहादुरगढ़ ने चिकित्सकों के बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई करेगी।

मृतक की पहचान 37 वर्षीय ओमबीर निवासी गांव मांडोठी के रूप में हुई है। वह एक निजी स्कूल में बस चालक था। परिजनों के अनुसार, ओमबीर शुक्रवार सुबह काम के लिए घर से निकला था। दोपहर करीब एक बजे वह गांव के बस स्टैंड पर आया और अपने बेटे को एटीएम से पैसे निकलवाकर दिए। इसके बाद वह वापस चला गया। शाम करीब 4 बजे उसकी आखिरी बार फोन पर बात हुई, जिसमें उसने बताया कि वह एक कार्यक्रम में है और जल्द घर लौटेगा। इसके बाद शाम 7 बजे फोन किया गया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई।



मृतक के परिजनों को समझाते पुलिस अधिकारी।

जीआरपी थाना प्रभारी सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि परिजनों की आशंका को देखते हुए शव का चिकित्सकों के बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों के बयान लिपि जांचेंगे। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यदि कुछ सड़बिध सामने आता है तो उस आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

रात करीब 8 बजे पुलिस की ओर से फोन कर दुर्घटना की सूचना दी गई। परिजनों का आरोप है कि ओमबीर की हत्या की गई है। हमारे परिवार को पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं और वर्ष 2018 में उसके छोटे भाई निकेश की भी हत्या हो चुकी है। इसी आधार पर उन्होंने इस मामले में भी हत्या का केस दर्ज करने की मांग उठाई है। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। ओमबीर अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गया है।



टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव	बिजनेस डेस्क
-------	--------------

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो वलेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का खास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेना: सबसे बड़ी ग़ल

अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपकी बीमा राशि आपकी सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना

कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगी पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कार्यकाल के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है। वलेम सेटलमेंट रेशियो को नजर अंदाज करना सिर्फ कम प्रीमियम या बड़े बॉन्ड के नाम पर कंपनी चुनना सही नहीं है। सबसे जरूरी है कंपनी का वलेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत वलेम्स का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार वलेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी

नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे वलेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संग्रालकर रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना

टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। क्रिटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सीडेंटल डेथ बेंनिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना

बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो वलेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। इमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के वलेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने

टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जाचना और पूरी इमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फैसले को मजबूत बनाती हैं। यह राखें, आज लिया गया एक सही निर्णय आपके परिवार को कल आर्थिक संकट से बचा सकता है।



निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

- ▶ सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियो में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत
- ▶ ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वही अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3—2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण

चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई उच्च या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

सुरक्षा और गोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

तेयारी	बिजनेस डेस्क
--------	--------------

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक ‘टर्निंग पॉइंट’ माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कॉर्मों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र ‘फिनिश लाइन’ नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना समझदारी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इसे फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% गोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।

- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न) : औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में समाहित)।
- 30 (समय) : लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जारी रखते हैं।
 - मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
 - कुल अवधि: 30 साल
 - अनुमानित रिटर्न: 12%
 - इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।
- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
 - 12 (रिटर्न) : औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में समाहित)।
 - 30 (समय) : लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
 - इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3—2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?



इंडस्ट्रियल डिमांड: चांदी की ताकत

चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और यौन एनर्जी जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। आमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह ‘बाय ऑन डिप्स’ यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी ‘गोल्डन’ रिटायरमेंट

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।



बीमा और पेंशन: मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामले में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपकी बचत को तेजी से खसक कर सकता है। इसके अलावा, एम्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपकी दूसरी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग मामूली बचत को बना देगा बड़ा फंड

रणनीति	बिजनेस डेस्क
--------	--------------

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, ‘10x12x30’ के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणित, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसान बनाने के लिए वित्तीय जगत में एक लोकप्रिय फॉर्मूला चर्चा में है, ‘10x12x30’ फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है ‘10x12x30’ फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
 - 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
 - 12 (रिटर्न) : औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में समाहित)।
 - 30 (समय) : लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
 - इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।
- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
 - 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
 - 12 (रिटर्न) : औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में समाहित)।
 - 30 (समय) : लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
 - इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

रुपये तक हो सकती है।

- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपकी रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंग: असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे “ब्याज पर ब्याज” भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहले 15 साल में जो गोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा गोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी

शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है। अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. अनुशासन बनाए रखें : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. लंबी अवधि का मंत्रिया रखें : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में गोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. धैर्य जरूरी है : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

‘10x12x30’ फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समझ और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य बन चुकी है। खासकर अगर आप अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2-5 साल का है, तो आपके पास 12-15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति

टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी

अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है। एसआईपी कैसे मदद करती है? म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है। ऐसे समझें

- अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12-15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- सिर्फ शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकर : 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसवाई से लगभग 60-70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000-5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

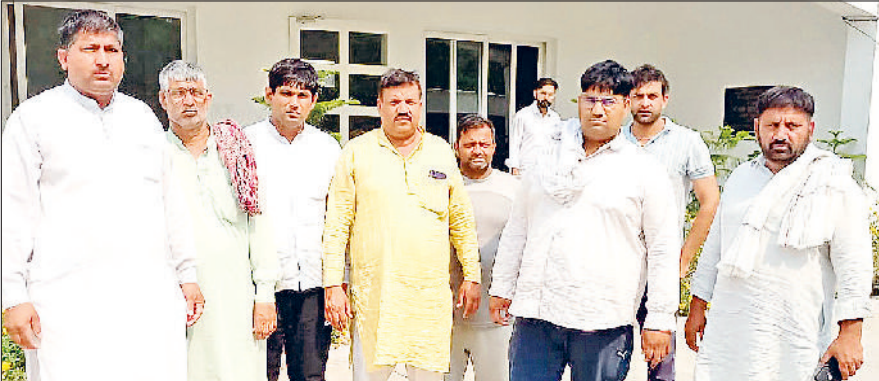
कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1-1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10-12% का रिटर्न मिलता है, तो 12-15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

बारिश के मौसम में खुले में पड़ा गोहूँ हो रहा खराब, आए दिन आढ़ती झेल रहे नुकसान

अनाज मंडी छारा में नहीं हो रहा गोहूँ का उठान आढ़तियों ने दी आत्महत्या की चेतावनी



झज्जर। उपायुक्त से मिलने के उपरांत खड़े आढ़ती।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

जिले के गांव छारा स्थित अनाज मंडी में गोहूँ का उठान न होने के कारण लाखों रुपये का गोहूँ खराब हो रहा है, जिस कारण आढ़तियों में रोष है। आढ़तियों ने जिला प्रशासन से तुरंत गोहूँ का उठान करने की मांग करते हुए कहा कि यदि समय पर उठान नहीं किया गया तो वे सामूहिक आत्महत्या करने पर मजबूर होंगे। इस संबंध में मंडी आढ़ती उपायुक्त से भी मिलने पहुंचे और उनकी समस्या का जल्द समाधान किए जाने मांग की। आढ़तियों के अनुसार समय पर गोहूँ का उठान नहीं होने के कारण मंडी में हजारों कि्वंटल गोहूँ खुले में पड़ा हुआ है। बारिश के

मुख्यमंत्री को पूरी स्थिति से अवगत कराएंगे

मंडी आढ़तियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द गोहूँ उठान की व्यवस्था नहीं की गई तो वे मंडी में सामूहिक आत्महत्या करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस बारे में अवगत करा दिया गया है। अब वे चंडीगढ़ जाकर मुख्यमंत्री को भी पूरी स्थिति से अवगत कराएंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे।

चलते उनका भारी नुकसान हो रहा है। मंडी आढ़ती नरेंद्र ने बताया कि बारिश के कारण अब तक करीब 30 लाख रुपये से अधिक का गोहूँ खराब हो चुका है। मौसम विभाग द्वारा आगे भी बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे नुकसान और बढ़ने का अंदेशा है। उन्होंने कहा कि बार-बार प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा।

एसडीएम के अलावा आज तक कोई बड़ा अधिकारी, मंत्री या जनप्रतिनिधि मंडी की स्थिति देखने नहीं पहुंचा। मंडी में किसानों और आढ़तियों दोनों की हालत खराब हो चुकी है। किसान अपनी फसल के भुगतान के लिए चक्कर काट रहे हैं, जबकि सरकार की ओर से भुगतान गोहूँ गोदाम में पहुंचने के बाद ही किया जाता है। ऐसे में आढ़तियों पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।



झज्जर। अनाज मंडी में उठान कार्य में जुटे श्रमिक।

फोटो : हरिभूमि

डीसी ने निर्धारित समयावधि में उठान व समुचित भंडारण के लिए निर्देश

झज्जर। जिले की अनाज मंडियों में गोहूँ की खरीद व उठान कार्य निरंतर जारी है। डीसी स्वजितल रविंद्र पाटिल ने कहा कि किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराया और खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फसल की खरीद के साथ-साथ उसका समय पर उठान और वैज्ञानिक भंडारण सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी स्तर पर अव्यवस्था उत्पन्न न हो और किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिले की मंडियों और खरीद केंद्रों में अब तक दो लाख 35 हजार 407 मीट्रिक टन गोहूँ की आवक दर्ज की गई है, जबकि दो लाख 4 हजार 372 मीट्रिक टन से अधिक की खरीद व एक लाख 58 हजार 157 मीट्रिक टन गोहूँ का उठान हो चुका है। उन्होंने बताया कि झज्जर अनाज मंडी में 64 हजार 711 मीट्रिक टन, बादली में 16 हजार 846 मीट्रिक टन, ढाकला में 15 हजार 446 मीट्रिक टन, बेरी में 51 हजार 109 मीट्रिक टन, मातनहेल में 35 हजार 802 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 21 हजार 399 मीट्रिक टन, छारा में 15 हजार 49 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 939 मीट्रिक टन तथा आसीदा में 13 हजार 106 मीट्रिक टन गोहूँ की आवक हुई है। इसके अलावा झज्जर मंडी में 56 हजार 99 मीट्रिक टन, बादली में 13 हजार 616 मीट्रिक टन, ढाकला में 14 हजार 188 मीट्रिक टन, बेरी में 41 हजार 972 मीट्रिक टन, मातनहेल में 32 हजार 701 मीट्रिक टन, माजरा डी में 20 हजार 598 मीट्रिक टन, छारा में 10 हजार 966 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 939 मीट्रिक टन तथा आसीदा में 12 हजार 292 मीट्रिक टन गोहूँ की खरीद दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि कुल खरीद की 77.4 प्रतिशत उपज का उठान हो चुका है।

रोपे 500 पौधों की देखभाल में जुटे वन रक्षक विनोद

झज्जर। क्षेत्र के गांव मातनहेल स्थित बाबा शेरदादास आश्रम में बीते वर्ष वन विभाग के सहयोग से रोपित किए गए करीब 500 पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी वन रक्षक विनोद पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभा रहे हैं। पौधों की सिंचाई, सुरक्षा और संरक्षण में जुटे हुए विनोद गर्मी के मौसम में भी पौधे सूखे नहीं, इसके लिए व नियमित रूप से पानी के टैंकर से सिंचाई करते हैं। समय-समय पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर पौधों को सुरक्षित रखने का कार्य कर रहे हैं। आश्रम परिसर में बेलपत्र, नीम, अर्जुन, गुलर, बरगद, पीपल, ढाक, पिलखन, कढ़ी पत्ता, पापड़ी और नींबू सहित कई औषधीय एवं छायादार पौधे लगाए गए हैं। आश्रम कमेटी प्रधान महिपाल सुहाग तथा पर्यावरण प्रेमी गुरदीप सिंह सुहाग ने वन रक्षक विनोद के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए इस प्रकार की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने अन्य लोगों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।



कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया

■ शास्त्रानुसार ज्येष्ठ मास में अन्न दान का बड़ा महत्व

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

स्थानीय फ्रेंड्स कॉलोनी के सामने राहगीरों को युवाओं द्वारा कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। युवा सदस्य मनीष ने बताया कि धार्मिक और शुभ अवसरों पर कढ़ी चावल का प्रसाद वितरण की एक परंपरा है। इस उद्देश्य से युवाओं ने कढ़ी चावल के प्रसाद का वितरण श्रद्धा भाव से किया गया। शास्त्रानुसार ज्येष्ठ मास में अन्न दान का बड़ा



झज्जर। कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित करते हुए युवा।

फोटो : हरिभूमि

महत्व है। ज्येष्ठ मास में जल सेवा, अन्न सेवा को पुण्यदायी माना जाता है। इससे भगवान की असीम कृपा प्राप्त होती है। इस मौके पर मनीष, यश, यमन, दिशांत, जय भगवान, मनोहर लाल, अशोक, गौरव, इंद्रजीत, प्रीतम, प्रशांत, लोकेश वर्मा ने भंडारे में सेवा की।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी वैक्सीन जरूरी : डीसी

झज्जर। डीसी स्वजितल रविंद्र पाटिल ने कहा कि अभिभावक अपनी किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन अवश्य लगवाएं। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन



सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है और इसका उद्देश्य बेटियों को गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा स्कूल स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि किशोरियों और उनके अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में सही जानकारी से लैस हो जाए। यह टीकाकरण अभियान मुख्य रूप से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए चलाया जा रहा है। यह वैक्सीन एचपीवी के टाइप-16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करती है, जो सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारण माने जाते हैं, साथ ही टाइप-6 और 11 से भी बचाव करती है। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूलों में किशोरियों का डाटा तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा किया जाए।

प्रेस की आजादी को सशक्त बना रही पत्रकारिता शिक्षा : डॉ. अमित

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निष्पक्ष पत्रकारिता और लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है, वहीं राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय जिले में पत्रकारिता शिक्षा का सफर इस बात का सशक्त उदाहरण है कि प्रेस की स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए गुणवत्तापूर्ण पत्रकारिता शिक्षा कितनी आवश्यक है। पत्रकारिता सामाजिक जीवन का धड़कन है। कभी मिशन के रूप में शुरू हुई पत्रकारिता समय के साथ व्यवसाय और अब एक सुव्यवस्थित उद्योग बन चुकी है। बदलते दौर में प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने के



डॉ. अमित भारद्वाज

■ राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय जिले का एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जहां पत्रकारिता की शिक्षा दी जा रही

लिए प्रशिक्षित, संवेदनशील और जिम्मेदार पत्रकारों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इसी दिशा में राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय जिले का एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जहां पत्रकारिता की शिक्षा दी जा रही है। महाविद्यालय के जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. अमित भारद्वाज ने 13 वर्ष पूर्व ऐसे समय में पत्रकारिता

शिक्षा की नींव रखी, जब ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश विद्यार्थी जनसंचार और पत्रकारिता विषय से परिचित भी नहीं थे। उन्होंने मात्र 17 विद्यार्थियों के साथ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करवाकर जिले में पत्रकारिता शिक्षा की पौध रोपी थी। अब तक लगभग 160 विद्यार्थी पत्रकारिता में डिप्लोमा, 450 से अधिक विद्यार्थी स्नातक स्तर पर तथा 60 विद्यार्थी एमए पत्रकारिता की पढ़ाई कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि वे पत्रकारिता के शिक्षक बनेंगे। उन्होंने पत्रकार बनने के उद्देश्य से पत्रकारिता की डिग्री प्राप्त की थी, लेकिन आज नई पीढ़ी को पत्रकारिता के मूल्य सिखाना उनके लिए गर्व की बात है।

भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर लोगों की कमर तोड़ रही : जून

बहादुरगढ़। वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये की ताजा बढ़ोतरी पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नरेश जून ने केंद्र सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया है। उनके



अनुसार यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर आम जनता और छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ने वाली है। कांग्रेस नेता नरेश जून ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार महंगाई बढ़ाकर लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। बढ़ी हुई गैस कीमतों का असर सीधे बाजार पर पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान मध्यम वर्ग और गरीब तबके को उठाना पड़ रहा है। नरेश जून ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण परिवहन लागत बढ़ेगी और महंगाई बेकाबू हो जाएगी। महंगाई पर नियंत्रण करके में पूरी तरह विफल मोदी सरकार अब हर महीने किसी न किसी रूप में जनता पर बोझ डाल रही है। गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए ठोस नीति बनाई जाए। अगर सरकार ने जल्द राहत नहीं दी तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।



बहादुरगढ़। नाला निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर मौजूद ग्रामीण।

फोटो : हरिभूमि

परनाला में 9 लाख रुपये में बनेगा नाला

बहादुरगढ़। गांव परनाला में बिंदू बैरागी के घर से लेकर वेद के घर तक आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ शनिवार को बुजुर्ग समे सिंह, खजान सिंह और अशोक राठी द्वारा किया गया। सरपंच मुकेश राठी के प्रति एवं सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा लगभग 9 लाख रुपये की लागत से इस आरसीसी नाले का निर्माण कराया जाएगा। इस मौके पर प्रीतम, राजमल, तेजपाल, राजू, जोगी व भगवाना आदि उपस्थित रहे।

बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रमवीरों का किया सम्मान

बहादुरगढ़। बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रमवीरों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम किया गया। स्कूल प्रबंधन और विद्यार्थियों ने मिलकर झाड़वर, चपरासी, सफाईकर्मियों और गाइड्स को सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से बनाए गए सुंदर बोटिंग कार्ड कर्मचारियों को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्या डॉ. पूनम चौधरी ने बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में मानवीय संवेदनाएं विकसित होती हैं।

तबीयत बिगड़ने से व्यक्ति की मौत

बहादुरगढ़। नजफगढ़ रोड पर सड़िगढ़ परिस्थितियों में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामयादी के रूप में हुई। रामयादी नजफगढ़ रोड पर बालाजी मंदिर के पास रहता था। उसकी मौत किन कारणों के चलते यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने शनिवार को शहर के नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर वारिसों को सौंप दिया है। हृदयाघात की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हो सकेगी।

उखाड़ी गई सड़क दोबारा बनवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहादुरगढ़

शहर की अग्रवाल कॉलोनी के साथ सीवर लाइन डालने के लिए कई महीने पहले उखाड़ी गई सड़क आज तक ऐसे ही पड़ी है। स्थानीय निवासी गणेश वशिष्ठ के साथ भाजपा नेता जसबीर सैनी मौके पर पहुंचकर पब्लिक हेल्थ के एसडीओ से बात की। उन्होंने जल्द सीवर लाइन का काम पूरा करने व रोड को सही करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार सभी काम तय सीमा पर पूरे होने चाहिए।



बहादुरगढ़। उखाड़ी पड़ी गली दिखाते जसबीर सैनी व गणेश वशिष्ठ।

फोटो : हरिभूमि

नियम तोड़ रहे किसान: आग लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

फसल अवशेषों में आग से ग्रीन बेल्ट के पेड़ों को भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

बीते कई दिनों से किसान नियमों को ताक पर रखते हुए फसल अवशेषों को आग के हवाले कर रहे हैं। जिसके कारण जहां मिट्टी की उपजाऊ क्षमता कम हो रही है, वहीं पर्यावरण को भी काफी नुकसान हो रहा है। झज्जर रोहतक नेशनल हाईवे पर फसल अवशेषों में लगी आग ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में भी पहुंच गई। जिसके कारण ग्रीन बेल्ट में लगे पेड़ों को भारी नुकसान हुआ है। लकड़ियां और मदाना गांव के बीच इतनी भीषण आग लगी कि कई पेड़ उखड़ ही नीचे गिर गए। इसके

अलावा सैकड़ों की संख्या में वृक्षों को नुकसान हुआ है। लेकिन ऐसा करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके कारण पर्यावरण प्रेमियों में संबंधित विभाग और जिला प्रशासन के माध्यम से फसल अवशेषों और ग्रीन बेल्ट में आग लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने गोहूँ की कटाई के बाद खेतों में फसल अवशेष जलाने की रोकथाम को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, फायर ब्रिगेड



झज्जर। ग्रीन बेल्ट में आग लगने के कारण गिरे पड़े पेड़।

फोटो : हरिभूमि

तथा अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में लगातार सतर्कता बनाए रखें और किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए जागरूक करें।

खेतों में गोहूँ की फसल के अवशेष जलाना न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह दंडनीय

112 पर दें सूचना, होगी त्वरित कार्रवाई

डीसी ने जिलवासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी क्षेत्र में फसल अवशेष जलते हुए देखें तो तत्काल डायल 112 पर सूचना दें या नजदीकी प्रशासनिक अधिकारी को सूचित करें, ताकि समय रहते स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके और पर्यावरण को हानि से बचाया जा सके।

अपराध भी है। यदि किसी खेत में आग लगने की सूचना मिलती है तो तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य करें और दोषी व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए।

मारोत गांव के खेतों में स्टॉक किए तूड़े में लगी आग



झज्जर। क्षेत्र के गांव मारोत में अज्ञात कारणों से लगी आग के कारण खेत में स्टॉक किया गया कई किंटल तूड़ा जल कर खराब हो गया। जानकारी के अनुसार मारोत निवासी कृष्ण पिछले कई वर्षों से तूड़ा बेचने का काम करता है। उसने खेतों में करीब पांच सौ एकड़ फसल तूड़े का स्टॉक किया हुआ था। अज्ञात कारणों से तूड़े में आग लग गई। जब तूड़े से धुआं उठते देखा तो उन्होंने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड की दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों द्वारा बड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। जब तक आग बुझी तब तक कई किंटल तूड़ा जल चुका था। जिसके कारण पॉइंट किसान का हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

उद्यमी सुशील पारीक को मातृशोक

बहादुरगढ़। बालाजी इंडस्ट्रियल एरिया वेलफेयर एसोसिएशन के उपप्रधान सुशील पारीक की मां कलावती जोशी का शुक्रवार को निधन हो गया। शनिवार को शहर के रामबाग में उनकी अंत्येष्टि में कोबी अध्यक्ष प्रदीप वर्मा, अशोक कुमार मिश्र, रमेश राठी, सुरेश दलाल, सरदार अमरीक सिंह, राकेश गोयल व हंसराज चाहर सहित अनेक लोगों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सूचना

मैं, मंजू दहिया पत्नी कुलदीप दहिया निवासी गांव सांखोल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा क्याम करती हूँ कि मेरा पुत्र अंकित दहिया, पुत्रवधू पुना और पौत्र संयश मेरे कहने सुनने से बाहर हैं और मैं उनसे अपने तमाम संबंध समाप्त करती हूँ। भविष्य में उनके साथ किसी तरह का लेन-देन करने व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। अंकित दहिया, उसकी पत्नी पुजा व उनका बेटा संयश अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे। मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का इनसे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

खबर संक्षेप

ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक किया
बहादुरगढ़। नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव मातन और खरहर में नशा मुक्ति, डायल-112, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व उप निरीक्षक सत्य प्रकाश ने किया। टीम ने घर-घर जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी और युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। नागरिकों को बताया गया कि नशीले पदार्थों का सेवन और उनकी खरीद-फरोख्त कानूनन अपराध है। साथ ही सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग तथा तेज गति से वाहन न चलाने के लिए जागरूक किया गया।

मजदूरों के सम्मान व अधिकारों का रखें ध्यान

बहादुरगढ़। श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में सभी छात्र-छात्राओं ने कर्मचारियों और मजदूरों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में मजदूरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें उनके सम्मान एवं अधिकारों का ध्यान रखना चाहिए। छात्रों ने नाटक, भाषण और कविता के माध्यम से मजदूरों के जीवन और संघर्ष को दर्शाया। सभी को श्रम का सम्मान करने का संदेश दिया। स्कूल चेयरमैन अभिषेक झिल्लर ने कहा कि हर व्यक्ति को मेहनत और ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। प्रिंसिपल ने भी सभी कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खेत से सोलर मोटर व तार चोरी, केस दर्ज

बहादुरगढ़। खेतों में चोरी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अब गांव मातन में वारदात हो गई। यहां हंसराज के खेत से सोलर मोटर और करीब 30 मीटर डोरी चोरी हुई है। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। हंसराज का कहना है कि कुछ दिन पहले तक मोटर व तार सुरक्षित थी। लेकिन अब सुबह गए तो नहीं मिली। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, आसीदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाद के चलते लोवा खुर्द में युवक को पीटा

बहादुरगढ़। नयाबांस गांव में डीजे पर नाचने के दौरान हुए विवाद ने यहां लोवा खुर्द गांव में गंभीर रूप ले लिया। बारात में आए आधा दर्जन से अधिक युवकों ने एक युवक की बुरी तरह से पीटाई कर दी। पीड़ित को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात नयाबांस के निवासी कैलाश के साथ हुई है। गांव की वाटिका में आयोजित इस कार्यक्रम में भी भाग लिया हुआ था। इसी दौरान वहां डीजे पर नाचते वक्त गांव के निवासी एक युवक के साथ कहासुनी हो गईं। फिर अगले दिन 30 अप्रैल को यहां लोवा खुर्द में बारात आई तो उस युवक व उसके छह अन्य साथियों ने योजनाबद्ध तरीके से मुझ पर हमला कर दिया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गल्ली, गणपति ट्रेलर्स के ऊपर, नजदीक टेक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन :- 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईंज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी 10 × 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra

नोट :- विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईंज पर मान्य। अन्य किसी साईंज के लिए कोई छूट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन :- 8295876400
बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गल्ली, रोहतक रोड, गणपति ट्रेलर्स के ऊपर, 8295852900

अब 5 तक बढ़ी हड़ताल, शहर में जगह-जगह लगे गंदगी के ढेर

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल की भेंट चढ़ी सफाई व्यवस्था

मांगों को लेकर कई दिन से आंदोलन कर रहे हैं नगर परिषद कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज़

पिछले दो दिनों से चल रही नगर परिषद सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था चरमराने लगी है। शहर के बाजार मेन बाजार, आंबेडकर चौक, सिलानी गेट, पुराना बस स्टैंड रोड आदि स्थानों पर सफाई व्यवस्था बर्दाहल रही। अधिकांश दुकानों के सामने सड़क किनारे कूड़े की ढेरियां पड़ी दिखाई जिनका उठान नहीं किया गया। इसी प्रकार कई ड्रॉपिंग प्लांट से भी कूड़ा उठान नहीं किया गया। ऐसे में लोगों का कहना रहा कि अब रविवार को अवकाश होने के कारण भी सफाई व्यवस्था बर्दाहल रहेगी। अब कर्मचारियों द्वारा अपनी हड़ताल को आगामी पांच मई तक बढ़ा लिया है। ऐसे में आगामी दिनों में स्थिति और अधिक बर्दाहल होने वाली है। उधर, निर्धारित कार्यक्रम के



झज्जर। नप कार्यालय परिसर में हड़ताल के दौरान नारे लगाते सफाई कर्मचारी।



झज्जर। झज्जर। बीकानेर चौक स्थित ड्रॉपिंग प्लांट पर पड़ा कूड़ा।

अनुसार नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर पूर्ण हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने नगर परिषद कार्यालय परिसर में सरकार कई ड्रॉपिंग प्लांट से भी कूड़ा उठान नहीं किया गया। ऐसे में लोगों का कहना रहा कि अब रविवार को अवकाश होने के कारण भी सफाई व्यवस्था बर्दाहल रहेगी। अब कर्मचारियों द्वारा अपनी हड़ताल को आगामी पांच मई तक बढ़ा लिया है। ऐसे में आगामी दिनों में स्थिति और अधिक बर्दाहल होने वाली है। उधर, निर्धारित कार्यक्रम के

भवीचंद शर्मा और रणबीर तथा स्थानीय नगर परिषद के पेरोल कर्मचारी राजेश के आश्रितों को उचित मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलाना शामिल है। इस मौके पर इकाई सचिव विकास उज्जैनवाल, जिला सचिव गौरव टॉक, सह सचिव बबली, इकाई आडिटर कृष्णा, महिला उप प्रधान कमलेश, महिला प्रधान रामरति, प्रचार सचिव मनीषा, सुनीता, संदीप, सोनू, विजय, विकास, सुरेश नरेंद्र, राजेंद्र, अमित, जितेंद्र, शिबू, सुनीता आदि रहे।



बहादुरगढ़। कर्मचारियों को संबोधित करते राज्य प्रधान नरेश शास्त्री।

मांगों को लेकर नगर परिषद कर्मचारियों ने धरना देकर जताया आक्रोश

बहादुरगढ़। मांगों को लेकर नगर परिषद की हड़ताल लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रही। हड़ताली कमियों ने नगर परिषद के गेट पर धरना देकर नारेबाजी की। आगामी पांच मई तक हड़ताल बढ़ा दी गई है। ऐसी स्थिति में शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा जाएगी। हड़ताली अविश्वमन कर्मचारियों के समर्थन, मृतक सफाई कर्मी राजेश के परिवार को आर्थिक मदद देने सहित अन्य मांगों को लेकर कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं। हड़ताल की अनुवाई इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर ने की, जबकि संवाहन सचिव अमित ने किया। शनिवार को नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री भी यहां पहुंचे। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पांच या दस साल से काम कर रहे कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के आदेश दिए हैं लेकिन इस दिशा में कदम नहीं उठ रहा। इसके अलावा पुरानी पेंशन बहाल करने, ठेका प्रथा बंद करने की भी जरूरत है। वहीं हमारे दमकल विभाग के साथी आठ अप्रैल से हड़ताल कर रहे हैं। वे हदसे में जान गंवाने वाले भवीचंद व रणबीर सिंह को शहीद का दर्जा देने, परिवार को एक करोड़ का मुआवजा, नौकरी व अन्य मांग उठा रहे हैं। हम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। झज्जर में धरने के दौरान तबीयत खिगड़ने से जान गंवाने वाले सफाई कर्मी राजेश के परिवार को भी 50 लाख की आर्थिक सहायता व नौकरी दी जाए। जब तक मांगें पूरी नहीं होती, ये विरोध लगातार जारी रहेगा। फिलहाल पांच मई तक हड़ताल जारी रहेगी।

वैश्य कॉलेज में बीसीए की छात्राओं को दी विदाई

■ मिस चार्लिंग का खिताब ऐश्वर्या को मिला, मिस परफॉर्मर से रितु को नवाजा गया

हरिभूमि न्यूज़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में शनिवार को बीसीए अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मिस चार्लिंग का खिताब ऐश्वर्या को मिला, मिस परफॉर्मर का रितु बनी। मिस फेयरवेल का ताज मुस्कान ने जीता। समारोह की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद विभिन्न



बहादुरगढ़। टाइटल विजेता छात्रा के साथ प्रिंसिपल व अन्य स्टाफ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। छात्राओं ने नृत्य, गीत और नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कई रोचक खेल भी आयोजित किए गए। सभी छात्राओं

ने अपने आत्मविश्वास और व्यक्तित्व से सभी का दिल जीत लिया। प्राचार्य डॉ. राजवंती शर्मा ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें

उद्यमिता के महत्व के बारे में भी बताया। साथ ही आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कंप्यूटर साइंस विभाग विभागाध्यक्ष शिखा तिवारी ने भी छात्राओं को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का सही दिशा में उपयोग करें और निरंतर सीखते रहें। कार्यक्रम में वर्षा, रेखा, चिंकी व स्वीटी आदि उपस्थित रहीं और उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपने कॉलेज के अनुभव साझा करते हुए भावुक विदाई संदेश दिए। शिक्षकों ने भी सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को दी पशुओं के उपचार की जानकारी

हरिभूमि न्यूज़

केआर मंगलम स्कूल के विद्यार्थियों ने नया गांव बाईपास स्थित गाईरियन ऑफ एंजल्स ट्रस्ट द्वारा संचालित गोंश व जीव उपचार केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। केंद्र संचालक हरिकिशन मंगले ने विद्यार्थियों को घायल और बीमार गोंश एवं जीवों के उपचार, देखभाल और पुनर्वास के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था निरंतर पिछले 7 सालों से निःस्वार्थ भाव



बहादुरगढ़। उपचार केंद्र में भ्रमण के दौरान हरिकिशन मंगले के साथ विद्यार्थी।

से जीवों की सेवा में लगी हुई है। विद्यार्थियों ने विभिन्न पशु-पक्षियों की देखभाल की प्रक्रिया को नजदीक से देखा। विद्यार्थियों ने जीवों की सेवा और संरक्षण का संकल्प लिया।

आरईडी स्कूल में होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। आरईडी स्कूल में आरोहण : नेतृत्व की ओर थीम पर पदस्थापना समारोह एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत मुख्यतिथि व उप-निदेशक शैलेन्द्र सिंह अहलावत ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकात की। प्राचार्य गौता गाबा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा पाठ से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और मार्च पास्ट की प्रस्तुति देते हुए अनुशासन एवं एकता का प्रदर्शन किया। पदस्थापना समारोह में मास्टर लोकेश को हेड बॉय, तनुज को वाइस हेड बॉय, अक्षिता को हेड गर्ल तथा जागृति को वाइस हेड गर्ल नियुक्त किया गया। सभी नव-निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। छात्रवृत्ति वितरण समारोह में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में दसवीं कक्षा में टॉप करने वाले छात्र आरव, वीवीएस परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने वाले विद्यार्थी खुशी और मयूर के अलावा वर्षभर की विभिन्न शैक्षणिक, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छठी से बारहवीं कक्षा तक के होनहार विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।



झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत।

फोटो: हरिभूमि

वैश्य आर्य शिक्षण महिला कॉलेज में हुई एलुमनी मीट

पुरानी कथाओं को देखकर भावुक हुई पूर्व छात्राएं

■ समारोह में कुल 95 एलुमिनी उपस्थित रहीं

■ छात्रा नेहा, नैना, अंजलि व आभा ने स्वागत गीत गाकर पूर्व छात्राओं का अभिनंदन किया

हरिभूमि न्यूज़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 95 एलुमिनी उपस्थित रहीं। इन पूर्व छात्राओं ने अपने विचार साझा किए और महाविद्यालय से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को फिर से ताजा किया। दीप प्रज्वलन के बाद छात्रा नेहा, नैना, अंजलि व आभा ने स्वागत गीत गाकर पूर्व छात्राओं का अभिनंदन किया। प्राचार्य ने नृत्य के साथ गणेश वंदना की। ज्योति ने हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रिंसिपल व स्टाफ के साथ पूर्व छात्राएं।

सत्र-2007 की पूर्व छात्रा निशा ने स्कूल को भेंट किए 10 हजार

प्राचार्य डॉ. आशा शर्मा ने सभी पूर्व छात्राओं को पोशा व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया और उनके अच्छे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। शर्मा ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी शिक्षण संस्थान की अमूल्य धरोहर होते हैं। ऐसे मिलन समारोह संस्था और पूर्व विद्यार्थियों के बीच संबंधों को अधिक मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्राओं के लिए रोचक खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। एलुमिनी कमेटी में किरण गांधी को प्रधान, अंजू अग्रवाल को उप प्रधान, निशा को सचिव, राधिका व कविता बलहारा को सदस्य बनाया गया। सत्र-2007 की पूर्व छात्रा निशा ने कॉलेज के प्रति स्नेह और जुड़ाव का परिचय देते हुए 10 हजार रुपये की राशि भेंट की।

अतिथि के रूप में किरण गांधी, अंजू अग्रवाल व डॉ. पंकी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन एलुमनाई कमेटी की

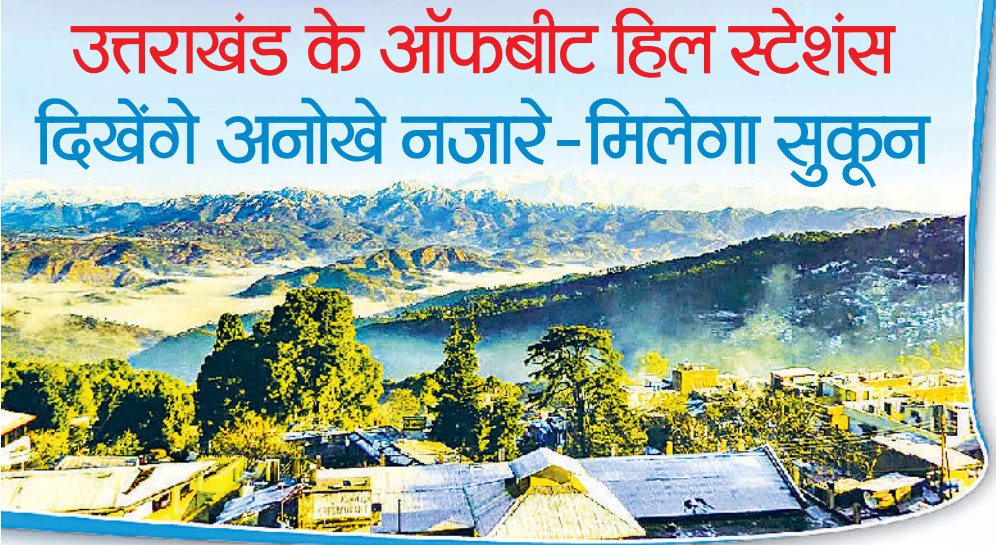
प्रभारी डॉ. सुषमा राठी, दिव्या बंसल, डॉ अन्नु शर्मा, रवीना तनेजा, रचिता बत्रा व नमृता द्वारा किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत

झज्जर। स्थानीय यादव धर्मशाला के नजदीक सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति को उपचार के लिए पीजीआई रोहतक ले जाते समय मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के गढ़ियारत पहाड़पुर निवासी भगवान सिंह पुत्र महेंद्र सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि उसका भाई भगवान सिंह स्थानीय सब्जी मंडी में काम करता था। शुक्रवार की रात करीब पौने बारह बजे वह स्वयं व मेरा भाई भगवान सिंह व झज्जर निवासी पंकज बुलरोगे गाड़ी लेकर पुराना बस स्टैंड से सब्जी मंडी जा रहे थे। गाड़ी पंकज चला रहा था। पंकज लापरवाही से गाड़ी चला रहा था जिस कारण यादव धर्मशाला के नजदीक उसने एक स्कूटी को टक्कर मारी और असंजुलित गाड़ी पलट गई। इस घटना में गंभीर रूप से घायल भगवान सिंह को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। धीरेन्द्र कुमार के अनुसार रोहतक पीजीआई ले जाते समय भगवान सिंह की मौत हो गई। पुलिस द्वारा इस संबंध में शिकायत के आधार पर आरोपी गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।



পত্রিকা: পাঠ (অপ্রৈল-জুন ২০২৬)
ক) অসম বিশেষ, সঁপাদক: দেবাঁ
মূল্য: ১২৫ ৰুপএ, প্ৰকাশন স্থল
বিলাসপুৰ হুন্তীসগড়



उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।



पियोरा की मनमोहक वादियां



सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले हीं नहीं। मौड़माड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं। खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई मागम माग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुफ्त उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी को छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

टेक्नोइपैक्ट अपराजिता

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रही, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिथ्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहाँ रहती है? अगर



रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं। ह्यूमन-एआई सहायता: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका



हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकेत पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया

हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे। हास्य का पर्सनलाइजेशन हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देख-

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टैंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं। पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है। ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं। एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।



पंगोट का खूबसूरत नजारा

ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तराकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटेडो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

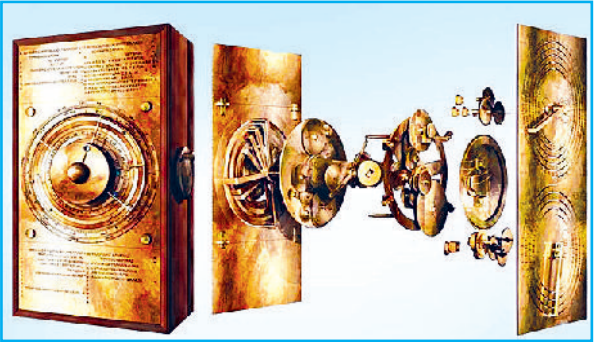
रोचक शिखर चंद जैन

आपको शायद यह पदकर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हार्डटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्वर्ण (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के



अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे।



वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्थ यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

लाफ्टर डोज से भरपूर बेहतरीन कॉमेडी फिल्में



इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी के 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दानदन' 'दोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्टेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंद लीडेज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों



ने भी दर्शकों को खूब हंसाया। ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चिंता चिंता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनो के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्टे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बहुर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुवाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीबी-ओ-बीबी' के अंत में कार रेंस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल'

(2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पलाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'बेलकम'

(2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय तन्या और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीन-झपटी होती है। सबसे बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसे-हंसे लोट-पोट हो जाते हैं। *

सिने ट्रेंड अशोक वाघपाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनीं थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वसेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला। **सीरियस डायरेक्टरों की कॉमिक फिल्में:** कॉमेडी फिल्में के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टरों ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर